प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय में चार–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

पन्तनगर। 22 अक्टूबर 2024। विश्वविद्यालय में कृषि महाविद्यालय के कृषि संचार विभाग द्वारा मैनेज, हैदराबाद के सहयोग से 22 से 25 अक्टूबर 2024 तक 'खाद्य प्रणाली में पोषण–संवेदनशील कृषि को एकीकृत करना' विषय पर चार–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पोषण–संवेदनशील कृषि प्रथाओं को कृषि प्रणाली में शामिल करके खाद्य सुरक्षा एवं पोषण को बेहतर बनाना है।

उद्घाटन सत्र में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एस.के. कश्यप, मैनेज हैदराबाद की डिप्टी डायरेक्टर (जेंडर स्टडीज) डा. वीनीता कुमारी और कृषि संचार विभाग के प्राध्यापक, डा. एम.ए. अंसारी की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में कृषि, मत्स्य, जैव रसायन, पशु चिकित्सा एवं पौध संरक्षण के क्षेत्र के 25 विशेषज्ञों ने प्रतिभाग किया। प्रतिभागी मध्य प्रदेश, उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, झारखंड और महाराष्ट्र जैसे विभिन्न राज्यों से आए हैं।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय सहायक प्राध्यापिका, डा. अर्पिता शर्मा कांडपाल, कृषि संचार विभाग द्वारा किया जा रहा है। आगामी तीन दिनों में भी महत्वपूर्ण व्याख्यान एवं चर्चाएँ होंगी, जो सतत कृषि प्रथाओं और पोषण के एकीकरण पर केंद्रित होंगी। प्रतिभागियों को सत्रों के दौरान विशेषज्ञों से सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

प्रशिक्षण सत्र की शुरुआत डा. एस.के. शर्मा, प्रमुख, खाद्य विज्ञान विभाग, पंतनगर विश्वविद्यालय द्वारा' पोषण के मूल तत्व एवं कुपोषण की स्थिति' विषय पर व्याख्यान से हुई। इसके बाद, कृषि महाविद्यालय, कीट विज्ञान विभाग के प्राध्यापक, डा. रवि मोहन श्रीवास्तव ने व्याख्यान दिया। दिन का अंतिम सत्र डा. वीनीता कुमारी द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसमें उन्होंने' जेंडर–समावेशी कृषि और पोषण' पर चर्चा की।

1. कार्यक्रम में प्रतिभागियों के साथ अतिथिगण।

निदेशक संचार